अर्थशास्त्र
कक्षा—12

कोविड—19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र—2021—22 में समय से विद्यालयों में पठन—पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः—

खण्ड—क : परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र (Micro Economics)

क्या, कैसे और किसके लिये उत्पादन किया जाय। उत्पादन की अवधारणा, उत्पादन संभावना फ्रंटियर एवं अवसर लागत।

उपभोक्ता संतुलन— उपयोगिता का अर्थ, सीमांत उपयोगिता, सीमांत उपयोगिता क्षीणता का नियम, सीमांत उपयोगिता विश्लेषण द्वारा उपभोक्ता संतुलन संबंधी स्थितियाँ।

उत्पादनकर्ता का संतुलन— अर्थ एवं सीमांत राजस्व एवं सीमांत लागत के क्रम उसकी स्थितियां। आपूर्ति, बाजार आपूर्ति, आपूर्ति के निर्धारक, आपूर्ति सारणी, आपूर्ति वक्र एवं उसकी ढ़लान, आपूर्ति वक्र में गतिविधियाँ एवं आपूर्ति वक्र का खिसकना। आपूर्ति लोच की कीमत, आपूर्ति लोच की कीमत का मापन, प्रतिशत—परिवर्तन प्रणाली।

बाजार के अन्य प्रकार— एकाधिकार बाजार, एकाधिकार प्रतिस्पर्धा, अल्पाधिकार बाजार
अर्थ एवं विशेषतायें

खण्ड—ख : परिचयात्मक वृहत अर्थशास्त्र (Macro Economics)2—

मुद्रा एवं बैंकिंग —मुद्रा की मांग और आपूर्ति की तरलता पर बैंक द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार नियंत्रण। नकद आरक्षित अनुपात, साविधिक चल निधि अनुपात, रेपो रेट, रिवर्स रेपो रेट, खुली बाजारू गतिविधियाँ। निवेशक द्वारा अपनी नकदी के प्रति दी जाने वाली न्यूनतम प्रतिभूति।

शासकीय घाटों के प्रकार— राजस्व घाटा, राजकोषीय घाटा, एवं प्राथमिक घाटा एवं उनका अर्थ।
मुक्त बाजार में विनिमय दरों के निर्धारिक।

उपर्युक्त के अनुकम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है—

अर्थशास्त्र

कक्षा—12

केवल प्रश्नपत्र —पूर्णांक — 100

सांख्यिकी :

खण्ड—क : परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र (Micro Economics)

1—	परिचय	4 अंक
2—	उपभोक्ता संतुलन एवं मांग	18 अंक
3—	उत्पादनकर्ता का व्यवहार एवं आपूर्ति	18 अंक
4—	बाजारों के प्रकार एवं साधारण युक्तियों के साथ आदर्श प्रतिस्पर्धा की स्थिति में मूल्य निर्धारण	10 अंक

खण्ड—ख : परिचयात्मक वृहत अर्थशास्त्र (Macro Economics)

1—	राष्ट्रीय आय एवं पूर्ण योग	12 अंक
2—	मुद्रा एवं बैंकिंग	8 अंक
3—	आय एवं रोजगार का निर्धारण	14 अंक
4—	सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था	8 अंक
5—	भुगतान संतुलन	8 अंक

खण्ड—क : परिचयात्मक सूक्ष्म अर्थशास्त्र

1— परिचय— सूक्ष्म एवं वृहत अर्थशास्त्र— अर्थ, सकारात्मक अर्थशास्त्र एवं नियामक अर्थशास्त्र।4अंक
अर्थव्यवस्था क्या है? अर्थशास्त्र की केन्द्रीक समस्यायें।

2—उपभोक्ता संतुलन एवं मांग 18 अंक

उपभोक्ता संतुलन का तटस्थता वक्र द्वारा विश्लेषण –
उपभोक्ता का बजट – (बजट सेट एवं बजट लाइन) उपभोक्ता की प्राथमिकतायें (तटस्थता वक्र एवं उदासीनता मानचित्र) एवं उपभोक्ता संतुलन की स्थितियाँ।
मांग, बाजार मांग, मांग के निर्धारक, मांग अनुसूची, मांग वक्र एवं उसकी ढलान, मांग वक्र में गतिविधियाँ एवं मांग वक्र का खिसकना, मांग लोच की कीमत– मांग लोच की कीमत को प्रभावित करने वाले कारक, मांग लोच की कीमत का मापन, प्रतिशत–परिवर्तन प्रणाली।

इकाई–3 <u>उत्पादनकर्ता का व्यवहार एवं आपूर्ति</u> **18 अंक**

उत्पादन परिभाषा– अर्थ, अंशकालिक एवं दीर्घकालिक कुल उत्पाद, औसत उत्पाद, सीमांत उत्पाद।
लागत– अंशकालिक लागत, कुल लागत, कुल निर्धारित लागत, कुल परिवर्तनशील लागत, औसत लागत, औसत निर्धानित लागत, औसत परिवर्तनशील लागत एवं सीमांत लागत– अर्थ एवं उनके संबंध।
राजस्व – कुल, औसत एवं सीमांत राजस्व– अर्थ एवं उनके संबंध।

इकाई–4 <u>बाजारों के प्रकार एवं साधारण युक्तियों के साथ आदर्श प्रतिस्पर्धा की स्थिति में मूल्य निर्धारण</u> **10 अंक**

आदर्श प्रतिस्पर्धा– विशेषतायें, बाजार संतुलन के निर्धारक एवं उनके खिसकने की मांग एवं आपूर्ति पर असर।
मांग एवं आपूर्ति के साधारण प्रयोग– मूल्य नियंत्रण, न्यूनतम मूल्य आधार

खण्ड–ख <u>परिचयात्मक वृहद् अर्थशास्त्र</u>

इकाई–5 <u>राष्ट्रीय आय एवं संबंधित आँकड़े</u> **12 अंक**

कुछ आधारभूत संकल्पनायें– उपभोग में आने वाली वस्तुयें, पूंजीगत माल, अंतिम माल।
मध्यवर्ती माल, स्टाक एवं प्रवाह, आधारभूत निवेश एवं मूल्य ह्रास।
आय का परिपत्र प्रवाह (दो क्षेत्र मॉडल) राष्ट्रीय आय की गणना करने की विधियाँ– उत्पादन गणना विधि, आय गणना विधि, उपयोग बचत विधि या व्यय विधि।
<u>राष्ट्रीय आय से संबंधित आंकड़े</u>–
बाजार भाव पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद, शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद, सकल घरेलू उत्पादन एवं शुद्ध घरेलू उत्पाद। कारक लागत पर वास्तविक एवं न्यूनतम सकल घरेलू उत्पाद।
सकल घरेलू उत्पाद एवं कल्याण।

इकाई–6 <u>मुद्रा एवं बैंकिंग</u>– **8 अंक**

मुद्रा– परिभाषा एवं मुद्रा की आपूर्ति। जनसाधारण के आधिपत्य में मुद्रा एवं वाणिज्यिक बैंकों द्वारा शुद्ध मांग के अनुरूप धारित कुल जमा राशि।
वाणिज्यिक बैंकिंग प्रणाली द्वारा मुद्रा का सृजन।
केन्द्रीय बैंक एवं उसके कार्य। (भारतीय रिजर्व बैंक का उधाहरण) मुद्रा जारी करने वाला बैंक, राजकीय बैंक, सामुदायिक बैंकों को वित्तीय सेवायें प्रदान करने वाले बैंक।

इकाई–7 <u>आय एवं रोजगार का निर्धारण</u>– **14 अंक**

कुल तैयार उत्पाद एवं सेवायें एवं उसके अवयव।
उपभोग की ओर झुकाव एवं बचत की ओर झुकाव (औसत एवं सीमित)
अल्पाकालिक कुल उत्पादन एवं कुल आपूर्ति संतुलन।
पूर्णकालिक रोजगार का अर्थ एवं अनैच्छिक रोजगार।
अत्यधिक मांग एवं न्यून मांग की समस्यायें एवं इन्हें सुधारने के उपाय। होने वाले शासकीय व्यय में परिवर्तन। कर एवं मुद्रा आपूर्ति।

इकाई–8 <u>सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था</u>– **8 अंक**

सरकारी बजट– अर्थ, उद्देश्य एवं उसके अवयव।
प्राप्तियों का वर्गीकरण– राजस्व प्राप्तियाँ एवं पूंजीगत प्राप्तियाँ। व्यय का वर्गीकरण– राजस्व व्यय एवं पूंजीगत व्यय।

इकाई–9 <u>भुगतान संतुलन</u>– **9 अंक**

भुगतान संतुलन खाता– अर्थ एवं उसके अवयव, भुगतान संतुलन। घाटा–अर्थ।
विदेशी मुद्रा विनिमय– स्थिर एवं लचीली दरों का अर्थ एवं कामयाब चल।